University in News on 04 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

अब दस्तावेज में फर्जीवाड़ा रोकेगा राष्ट्रीय पहचान कोड

आयुष तिवारी

लखनऊ। जाली दस्तावेजों से ठगी के मामले बहुतायत में सामने आते हैं। इससे सामान्य, मध्यम और उच्च सभी वर्गों के लोग पीड़ित होते हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के शिक्षक प्रो. सोमेश शुक्ला ने इस समस्या से निजात के लिए राष्ट्रीय पहचान कोड (एनआईसी) नामक मॉडल विकसित किया है।

इसमें सभी तरह की दस्तावेज संबंधी जालसाजी पर नकेल कसने का दावा किया गया है। उनके इस मॉडल को केंद्र सरकार से कॉपीराइट भी मिला है।

प्रो. सोमेश शुक्ला ने बताया कि देश में पहचान प्रणाली को सुरक्षित और एकीकृत करने की दिशा में एनआईसी मील का पत्थर साबित होगा। इस मॉडल की विस्तृत व्याख्या चंडीगढ़ से प्रकाशित इंटीग्रेटेड नेशनल आइडेंटिफिकेशन सिस्टम यूजिंग क्लस्टर कंप्यूटिंग नामक पुस्तक में की गई है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में मतदाता सूची में सुधार और जालसाजी से निपटने के लिए चुनाव आयोग यूनिक ईपिक नंबर अपना रहा है, जो इस मॉडल से मेल खाता है। एनआईसी प्रणाली देश के विभिन्न क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं को एकीकृत करने में सहायक होगी। मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को हटाने में भी यह विशेष मददगार साबित होगा। मॉडल को अंतिम रूप देने में डॉ. शोभित शुक्ला व डॉ. सुमन मिश्रा का विशेष सहयोग रहा है। (संवाद)

लखनऊ विवि के प्रो. सोमेश शुक्ला के निर्देशन में विकसित मॉडल को मिला कॉपीराइट

एक क्लिक करते ही देख सकेंगे सभी दस्तावेज

- **अलग-अलग नहीं रखने होंगे दस्तावेज :** प्रो. शुक्ला ने बताया कि राष्ट्रीय पहचान कोड में नागरिक के सभी दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, मतदाता कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आयुष्मान कार्ड, पैनकार्ड एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगे। जो एनआईसी नंबर डालते ही एक क्लिक में सारा विवरण सामने रख देंगे। इसके लिए उसे कई दस्तावेज एक साथ लेकर भी नहीं चलने होंगे। एनआईसी में व्यक्ति के संपत्ति संबंधी विवरण को भी देखा जा सकेगा।

आईआईआरएफ रैंकिंग में लविवि के विधि संकाय को मिला 25वां स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि के विधि संकाय ने इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) में शानदार प्रदर्शन किया है। संकाय ने रैंकिंग में सुधार करते हुए देश भर के सरकारी विधि महाविद्यालयों में 25वां स्थान हासिल किया है। गतवर्ष विवि ने इस रैंकिंग में 32वां स्थान हासिल किया था।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, रैंकिंग में सुधार उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा, शोध-आधारित शिक्षण और नवीन शिक्षण विधियों के प्रति निरंतर प्रयासों का परिणाम है। विधि संकाय ने पाठ्यक्रम, बुनियादी ढांचे और छात्र सहभागिता को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया है।

डीन प्रो. बीडी सिंह ने कहा, संकाय कानूनी अनुसंधान में सक्रिय योगदान दे रहा है, और हम लखनऊ विवि के विधि संकाय को भारत में 32वां स्थान हासिल किया था

जानिए आईआईआरएफ को : इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने वाली एक प्रतिष्ठित रैंकिंग प्रणाली है। यह रैंकिंग प्रणाली एजुकेशन पोस्ट के माध्यम से शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के सहयोग से विकसित की जाती है। इससे पारदर्शी और डेटा आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो पाता है। विधि महाविद्यालयों की रैंकिंग सात प्रमुख मानकों पर आधारित होती है, जिसमें शिक्षण एवं अधिगम संसाधन, अनुसंधान एवं नवाचार, उद्योग इंटरफेस एवं प्लेसमेंट आदि शामिल है।

विधि शिक्षा के प्रमुख संस्थानों में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

प्रबंधकीय तरीके से काम करने के सिखाए गुर

लखनऊ। लविवि के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में प्रबंधकीय तरीके से कैसे सोचें और कार्य करें विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता बीएचयू आईएमएस के निदेशक प्रो. आशीष बाजपेयी ने विचार, विचार प्रक्रिया, क्रिया और आदत जैसे प्रबंधकीय तरीके से कार्य करने के गुर के बारे में जानकारी दी। उनके मुताबिक, एक प्रबंधक के पास कौशल, तकनीकी कौशल, संचार कौशल, दूरदर्शी विचार और कुछ करने से पहले दो बार सोचना जरूर होना चाहिए। (संवाद)

NBT PAGE 5

LU: विधि संकाय को IIRF में मिली 25वीं रैंक

■ NBT न्यूज, लखनऊः एलयू के विधि संकाय ने इंडियन इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (IIRF) 2025 में देश के सरकारी विधि कॉलेजों में 25वां स्थान हासिल किया है। पिछले साल संकाय को 32वीं रैंक मिली थी। एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि रैंकिंग में सुधार हमारी उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा, शोध-आधारित शिक्षण और नवीन शिक्षण विधियों में लगातार प्रयास का नतीजा है। विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. वीडी सिंह ने सफलता का श्रेय शिक्षकों, शोधकर्ताओं और स्टूडेंट्स को दिया है। उन्होंने कहा कि संकाय ने पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण, शोध संस्कृति को बढ़ावा देने और व्यावहारिक विधि शिक्षा को लागू करने के लिए अहम कदम उठाए हैं।

IIRF भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने वाली एक प्रतिष्ठित रैंकिंग प्रणाली है। यह रैंकिंग प्रणाली Education Post की ओर से शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के सहयोग से बनाई जाती है। यह रैंक सात मानकों शिक्षण और अधिगम संसाधन, अनुसंधान और नवाचार, उद्योग इंटरफेस और प्लेसमेंट, प्लेसमेंट रणनीतियां और समर्थन, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण, बुनियादी ढांचा व सुविधाएं और धारणा एवं प्रशासन पर शामिल निकाली जाती है।

HINDUSTAN PAGE 8

छात्र पढ़ेंगे आधुनिक भारतीय मानवशास्त्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग में अब आधुनिक, भारतीय मानवशास्त्र के बारे में पढ़ाया जाएगा। साथ ही चिकित्सा, पर्यावरण मानवशास्त्र, मानव पारिस्थितिकी और भारतीय ज्ञान परंपरा व मानवशास्त्र के इतिहास से भी परिचित कराने की तैयारी है। इन के प्रश्न पत्रों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। जिससे विद्यार्थी भारतीय परिपेक्ष्य में भी मानव की उत्पत्ति उसकी सभ्यता और संस्कृति का अध्ययन कर सकें।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि मानव विज्ञान विभाग में परास्नातक क्रेडिट्स को चार से बढ़ाकर आठ कर दिया गया है। अब शोध में 200 नंबर मिलेंगे। छात्रों को फील्ड विजिट के लिए भी भेजा जाएगा। जिससे छात्रों को जमीनी सच्चाई जानने का भी अवसर मिलेगा। वे अधिक अनुभव हासिल कर पाएंगे। अधिक जानकारी के लिए एलयू की वेबसाइट देख सकते हैं।

i-NEXT PAGE 5

आईआईआरएफ रैंकिंग में फिर चमका एलयू

GOOD NEWS

LUCKNOW (3 April): लखनऊ यूनिवर्सिटी की लॉ फैकल्टी ने इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में भारत की सभी गवर्नमेंट लॉ यूनिवर्सिटीज में 25वी रैंकिंग हासिल की है, जबकि पिछले साल ये रैंकिंग 32 थी. आईआईआरएफ देश में हायर एजुकेशन प्रदान करने वाले इंस्टीट्यूट्स का मूल्यांकन करने वाली एक फेमस रैंकिंग प्रणाली है, जो देशभर के एजुकेशनिस्ट्स, इंडस्ट्री स्पेशलिस्ट्स और रिसर्चर्स की हेल्प से डेवलप की जाती है.

सभी के समर्पित प्रयास का रिजल्ट

फैकल्टी को मिली रैंकिंग को लेकर लॉ फैकल्टी के डीन प्रो. बीडी सिंह का कहना है कि इस सफलता का श्रेय टीचर्स, रिसर्चर्स और स्टूडेंट्स के समर्पित प्रयासों को जाता है. लॉ फैकल्टी कोर्स को मॉडर्न करने, रिसर्च को बढ़ावा देने और प्रैक्टिकल लॉ एजुकेशन देने के महत्वपूर्ण कदम उठा रही है. हमारा डिपार्टमेंट लॉ रिसर्च पर विशेष ध्यान दे रहा है और हम एलयू को भारत के लॉ एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के प्रमुख संस्थानों मे स्थापित करने की दिशा मे काम कर रहे हैं.

- इंफ्रास्ट्रक्चर, एजुकेशन, प्लेसमेंट, फैसिलिटीज और रिसर्च एंड इनोवेशन के बेस पर मिलती है रैंकिंग

इसके बेस पर मिलती है रैंकिंग

आईआईआरएफ द्वारा लॉ यूनिवर्सिटीज और कॉलेजेस को रैंकिंग 7 स्टैंडर्ड के बेस पर दी जाती है. जिसमें एजुकेशन, रिसर्च एंड इनोवेशन, इंडस्ट्रियल इंटरफेस एंड प्लेसमेंट, प्लेसमेंट पॉलिसीज एंड सपोर्ट, इंटरनेशनल आउटरीच, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड फैसिलिटीज और एडमिनिस्ट्रेशन शामिल है. एलयू की लॉ फैकल्टी भी रिसर्च, प्लेसमेंट, एजुकेशन और एडमिनिस्ट्रेशन पर विशेष ध्यान दे रही है. जिसके चलते उसे ये रैंकिंग हासिल हुई.

आईआईआरएफ रैंकिंग में सुधार हमारी उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा, शोध आधारित शिक्षण और नवीन शिक्षण विधियों के प्रति निरंतर प्रयासों का परिणाम है.
प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, लखनऊ यूनिवर्सिटी

एलयू के स्टूडेंट्स को मिलेगा स्प्रिचुअल अवेकनिंग का ज्ञान

एजुकेशन डिपार्टमेंट ने मास्टर्स में एड किया नया वैल्यू एडेड कोर्स

LUCKNOW (3 April): आज के टाइम में स्प्रिचुअल डेवलपमेंट और इमोशनल वेलबीइंग के लिए इंस्टीट्यूट्स की तरफ से तरह-तरह के कोर्स प्रपोज किए जाते रहते हैं. स्टूडेंट्स को स्प्रिचुअल डेवलपमेंट के बारे में पढ़ाने और सिखाने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन ने भी एक नए वैल्यू एडेड कोर्स की शुरुआत करने का फैसला किया है. इस कोर्स का नाम स्प्रिचुअल अवेकनिंग एंड एजुकेशन है, जिसमें स्टूडेंट्स को स्प्रिचुएलिटी और इसके बेसिक्स के बारे में पढ़ाया जाएगा. एजुकेशन में मास्टर्स करने वाले स्टूडेंट्स इस कोर्स को कर पाएंगे.

एजुकेशन डिपार्टमेंट में इस तरह के स्प्रिचुअल कोर्स को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य यंगस्टर्स को मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग बनाना है ताकि हम स्टूडेंट्स में एक हॉलिस्टिक पर्सनालिटी डेवलप कर पाएं.
प्रो. दिनेश कुमार, डीन, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, एलयू

इनर पीस एंड मेंटल वेलबीइंग के लिए जरूरी

एजुकेशन डिपार्टमेंट के डीन प्रो. दिनेश कुमार का कहना है कि आज के टाइम में युवाओं में मेंटल प्रॉब्लम्स ज्यादा और इमोशनल इंटेलीजेंस एंड इनर पीस की कमी देखने को मिल रही है. ऐसे में, हमारा इस पेपर को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य यंगस्टर्स को स्प्रिचुएलिटी के माध्यम से इनर पीस डेवलप करने का तरीका सिखाना है, जिससे उन्हें मेंटल वेलबीइंग और स्किल डेवलपमेंट में भी हेल्प मिलेगी. स्प्रिचुअल अवेकनिंग को लेकर कई तरह की थेरेपीज और ट्रेनिंग दी जाती हैं और जब स्टूडेंट इसमें मास्टर्स कर लेंगे तो उनके पास स्प्रिचुअल मेंटोरशिप का भी ऑप्शन रहेगा.

एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस में मैनेजरियल स्कोच डेवलप करने और उस तरीके से काम करने को लेकर एक स्पेशल लेक्चर का आयोजन किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आईएमएस, बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. आशीष बाजपेयी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. जिन्होंने स्टूडेंट्स को मैनेजरियल तरीके से काम करने के बारे में जानकारी दी. इस स्पेशल लेक्चर में आईएमएस, एलयू की डायरेक्टर प्रो. विनीता काचर के साथ ही डिपार्टमेंट के सभी टीचर्स, स्टूडेंट्स मौजूद रहे.

न्यूबॉर्न बेबी को भी हो सकती है मिर्गी

LUCKNOW : एलयू के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में गुरुवार को एमिनेंट लेक्चर सीरीज के अंतर्गत एक स्पेशल लेक्चर का आयोजन किया गया. जिसमें गेस्ट लेक्चरर के तौर पर सीनियर न्यूरो फिजीशियन डॉ. अतुल अग्रवाल ने स्टूडेंट्स को मिर्गी रोग के उपचार एवं रोकथाम के बारे मे जानकारी दी. डॉ. अतुल का कहना है कि मिर्गी एक दिमागी बीमारी है, लेकिन कई बार लोग अंधविश्वास मे फंस जाते हैं और सही ईलाज न लेने से बाद मे मुश्किलों का सामना करते हैं. इस मौके पर फार्मेसी स्टूडेंट्स ने डॉक्टर से कई तरह के सवाल भी पूछे.

एलयू के 29 स्टूडेंट्स को मिला प्लेसमेंट

एलयू के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की तरफ से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव मे 29 स्टूडेंट्स के करियर को उड़ान मिली. इस ड्राइव मे 10 स्टूडेंट्स को प्लेनेटस्पार्क और 19 स्टूडेंट्स को एलन कंपनी में प्लेसमेंट मिला. प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क कंपनी ने कम्युनिकेशन टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन, पर्सनल इंटरव्यू के बाद स्टूडेंट्स को सिलेक्ट किया है. जिसमे 10 स्टूडेंट्स को बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर की पोस्ट पर 6.50 लाख के पैकेज पर सिलेक्शन हुआ है. वहीं, एलन कंपनी में सिलेक्टेड 19 स्टूडेंट्स को फैकल्टी ट्रेनी के तौर पर 3.6 लाख के पैकेज के साथ ऑफ़ाईट किया गया है.

नवजात को भी हो सकती है मिर्गी: डॉ. अतुल अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के भेषजिक विज्ञान संस्थान की तरफ से गुरुवार को एमिनेंट लेक्चर सीरीज के अंतर्गत किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के न्यूरोलॉजी विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ. अतुल अग्रवाल ने मिर्गी रोग उपचार एवं रोकथाम विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

मिर्गी रोग मस्तिष्क का ऐसा रोग है जिससे बहुत सारे लोग प्रभावित हो जाते है फिर भी इससे बहुत से अन्धविश्वास जुड़े है और लोगो को बीमारी के बारे में जानकारी नहीं रहती। उन्होंने मिर्गी के बारे में इससे जुड़े पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए परिचर्चा की। डॉ. अतुल अग्रवाल ने छात्रों को मिर्गी क्या है? क्यों हो जाता है? प्राथमिक चिकित्सा क्या है? दवा क्यों लम्बे समय तक चलनी होती है? और क्या सावधानियां रखनी होती है इस बारे में विस्तृत चर्चा की। मिर्गी कोई मानसिक बीमारी नहीं है नवजात शिशुओं को भी इन्फेक्शन के कारण मिर्गी का दौरा पड़ सकता है। बचपन में सिर पर कोई चोट लग जाने पर भी मिर्गी हो सकती है। 50 फीसदी से अधिक मामलो में मिर्गी का कोई कारन पता नहीं होता है। ये किसी भी व्यक्ति में हो सकता है लेकिन पोर्क का सेवन करने वाले व्यक्तियों में इसका प्रतिशत ज्यादा होता है। इससे बचाव के लिए स्वस्थ्य खानपान एवं प्रीनेटल सावधानियों पर जोर दिया।

यह मेडिकल इमरजेंसी नहीं है एवं दवाइयों से ठीक हो सकती है। छात्र छात्राओं ने इस विषय से सम्बंधित विभिन्न सवाल पूछे। ऋषिका राय बीफार्म तृतीय वर्ष ने एपिलेप्सी के कारणों, अलोक डीफार्म प्रथम वर्ष ने एपिलेप्सी एवं अनुवांशिकता, अनिकेश बघेल बी फार्म प्रथम वर्ष ने एपिलेप्सी की सबसे असरदार दवा के बारे में सवाल पूछे। संस्थान के निदेशक डॉ. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी, निदेशक, भेषजिक विज्ञान संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय ने बताया कि छात्र इस प्रकार के आयोजन से प्रोत्साहित होते है एवं नवाचार के लिए प्रेरित होते है। इस कार्यक्रम में डॉ. आशीष वाजपेयी ने प्रबंधकीय तरीके से कार्य करने के तरीके के बारे में बताया। उन्होंने विचार, विचार प्रक्रिया, क्रिया, आदत पर जोर दिया। क्रिया से आदत बनती है, आदत से चरित्र बनता है, प्रबंधन उद्देश्यों से जुड़ा होता है, प्रबंधकों की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्यों के कारण, योग्यता के बारे में बताया जो एक प्रबंधक के पास होना चाहिए जैसे कौशल, तकनीकी कौशल, संचार कौशल, दूरदर्शी विचार और कुछ करने से पहले दो बार सोचना। कार्यक्रम में डॉ. आरती ने सभी का धन्यवाद दिया और व्याख्यान का सारांश प्रस्तुत किया।

PIONEER PAGE 3

आईआईआरएफ रैंकिग में एलयू की लॉ फैकल्टी 25वें स्थान पर

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में भारत के सरकारी विधि महाविद्यालयों में 25वां स्थान प्राप्त किया है। जो कि पिछले वर्ष की 32वीं रैंक से एक उल्लेखनीय सुधार है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस रैंकिंग में सुधार हमारी उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा, शोध-आधारित शिक्षण और नवीन शिक्षण विधियों के प्रति निरंतर प्रयासों का परिणाम है। विधि संकाय ने अपने पाठ्यक्रम, बुनियादी ढांचे और छात्र सहभागिता को बेहतर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया है, जिससे हमें यह महत्वपूर्ण प्रगति मिली है। बता दें कि इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने वाली एक प्रतिष्ठित रैंकिंग प्रणाली है। यह रैंकिंग प्रणाली एजुकेशन पोस्ट द्वारा शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के सहयोग से विकसित की जाती है। विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. बी. डी. सिंह ने इस सफलता का श्रेय संकाय के शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के समर्पित प्रयासों को दिया है।

लविवि: 29 विद्यार्थियों को मिली नौकरी, छह लाख तक मिलेगा पैकेज

छात्र बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर और संकाय प्रशिक्षु के पद पर देंगे सेवा

लखनऊ। लखनऊ विवि की केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 29 छात्रों का चयन हुआ है। प्लेनेट स्पार्क में 10 और एलन कंपनी में 19 छात्रों चयनित किए गए हैं। स्पार्क कंपनी में विद्यार्थी बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर (व्यवसाय विकास कार्यकारी) और एलन कंपनी के लिए चयनित छात्र फैकल्टी ट्रेनी (संकाय प्रशिक्षु) के पद पर सेवा देंगे।

प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय के मुताबिक, प्लेनेट स्पार्क कंपनी के प्लेसमेंट ड्राइव प्रक्रिया (प्री-प्लेसमेंट टॉक, ग्रुप डिस्कशन, कम्युनिकेशन टेस्ट, पर्सनल इंटरव्यू राउंड) को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर विवि के विभिन्न कोर्सों के 10 छात्रों का चयन हुआ।

इनमें बीटेक के पांच छात्र (एंजल प्रवीण, प्रज्ञा सिंह, तनु शुक्ला, नेहा चौधरी, दैमा मुख्तार), बीकॉम की एक छात्रा (अरशिया फातिमा), बीबीए के दो छात्र (अनुराग पांडेय और माही वाधवन) एवं बीसीए के दो छात्र (सातविक बरी और अमिता शर्मा) शामिल हैं।

इन्हें कंपनी की ओर से 6.50 लाख पैकेज ऑफर किया गया है। एलन कॅरिअर इंस्टीट्यूट में बीफार्म के तीन छात्र (फैजान अशरफ, शमा परवीन, आशीष कुमार मद्धेशिया) एवं बीटेक के 16 छात्र (आभा कुमारी, तुषार सिंह, आकांक्षा श्रीवास्तव, अनन्या साहनी, रुबीना खातून, ज्ञानेंद्र चौबे, मयंक गुप्ता, नैंसी द्विवेदी, रंजीत कुमार यादव, उत्सव सचान, रविंद्र कुमार, अंशिका सिंह तोमर, देवांशु शाक्य, निर्णय जायसवाल, प्रिया मिश्रा, श्रद्धा सक्सेना) शामिल हैं। इन छात्रों का चयन 3.6 लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज पर हुआ है। (संवाद)

एलयू के विधि संकाय को मिली 25वीं रैंक

लखनऊ । इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय को 25वां स्थान प्राप्त हुआ। सरकारी विधि महाविद्यालयों की श्रेणी में एलयू को यह सफलता हासिल हुई है। जो बीते वर्ष की तुलना में बेहतर है। एलयू विधि संकाय को पिछले साल 32वीं रैंक मिली थी। जिसमें इस वर्ष सात स्थान का सुधार आया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इस रैंकिंग में सुधार हमारी उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा, शोध आधारित शिक्षण और नवीन शिक्षण विधियों के प्रति निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

एलयू के छात्रों को साढ़े छह लाख पर प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 29 छात्रों का चयन हुआ। 10 छात्रों का प्लेसमेंट प्लेनेटस्पार्क और 19 छात्रों का एलन कंपनी में हुआ। सीपीसी के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि प्लेनेटस्पार्क कंपनी में चयनित 10 छात्रों में बीटेक के एंजल प्रवीण, प्रज्ञा सिंह, तनु शुक्ला, नेहा चौधरी, दैमा मुख्तार आदि शामिल हैं।

प्रबंधकीय तरीके से कार्य करने के गुर सिखाए

लखनऊ। एलयू के प्रबंधन विज्ञान संस्थान में प्रबंधकीय तरीके से कैसे सोचें और कार्य करें विषय पर विशेष व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता बीएचयू आईएमएस के निदेशक प्रोफेसर आशीष बाजपेयी रहे। उन्होंने विचार, विचार प्रक्रिया, क्रिया और आदत जैसे प्रबंधकीय तरीके से कार्य करने के गुर बताए। कहा कि क्रिया से आदत बनती है। आदत से चरित्र बनता है। प्रबंधन उद्देश्यों से जुड़ा होता है।

AMRIT VICHAR PAGE 7

भारत और भारतीयता को महत्व दे रहा लखनऊ विवि

नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रमों में किया जा रहा बदलाव, प्राचीनता के साथ आधुनिकता का हो रहा संयोजन

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: कालीदास भारत के शेक्सपीयर हैं, समुद्रगुप्त भारत के नेपोलियन है तो तिलक बिस्मार्क है जैसी ब्रिटिशकालीन अवधारणाओं को तोड़ते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय भारत और भारतीयता के नित नए प्रतिमान गढ़ रहा है। विश्वविद्यालय ने जहां नई शिक्षा नीति को सबसे पहले लागू किया तो वहीं पाठ्यक्रमों में भी सुखद बदलाव का सिलसिला शुरू हो चुका है। अब विदेशी लेखकों, कवियों के साथ ही भारत के पर्यावरण, देश की सीमाओं की विविध जानकारी से लेकर भारतीय अर्थशास्त्र, मानवशास्त्र यहां तक की दर्शनशास्त्र में भी स्वदेशी तत्वों को प्रधानता दी जाने लगी है।

पाठ्यक्रम में नूतन बदलाव छात्रों को अधिक अद्यतन करेंगे और इससे उन्हें अपने देश के बारे में भी पहले से बेहतर जानकारी हासिल होगी। साथ ही उनके जीवन में भी नई जानकारियां उपयोगी साबित होंगी।

-प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, भूगोल व प्रवक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव शुरू कर दिया है। लार्ड मैकाले की पटरी पर अंधाधुंध दौड़ रही उच्च शिक्षा में यह क्रांतिकारी बदलाव दूरगामी असर डालने वाली है। उच्च शिक्षा में ज्यादातर विदेशी लेखकों की पुस्तकों को प्रधानता दी जाती रही है जिसमें तथ्य, तर्क, उदाहरण और विश्लेषण भी अभारतीय या विदेशों के हुआ करते हैं। विश्वविद्यालय ने तय किया है कि विदेशी लेखकों और वैश्विक जानकारी के साथ अनिवार्य तौर पर स्वदेशी लेखकों और भारतीय परिस्थितियों, आंकड़ों और जानकारियों को भी समान रूप से महत्व दिया जाएगा। नई शिक्षा नीति के अनुसार लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय से लेकर अखिल भारतीय महत्वपूर्ण संबंधित जानकारी को पाठ्यक्रम में शामिल की प्रक्रिया गतिमान है।

इन विषयों में हो चुके हैं बदलाव

सबसे पहले अंग्रेजी विभाग के परास्नातक पाठ्यक्रमों में बदलाव देखने को मिला। जहां पर गीता, रामायण से लेकर पंचतंत्र और चाणक्य तक को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। इसी प्रकार भूगोल में 6 नए प्रश्नपत्र शुरू किए गए हैं जिनमें सैन्य भूगोल से लेकर सीमाओं की जानकारी होगी। अर्थशास्त्र विभाग ने देश में उर्जा, आधारभूत संरचना और स्वास्थ्य से जुडे अर्थशास्त्र का अध्ययन कराएगा। एंथ्रोपोलाजी में भी कई बदलाव किए गए हैं जो कि भारतीय आदि मानव से संबंधित हैं। इतना नहीं, दर्शनशास्त्र विभाग ने भी अपने पाठ्यक्रम में भारतीय शिक्षा और योग से संबंधित पाठ्यक्रम शामिल कर रहा है।

नई शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषाओं को छूट

नई शिक्षा नीति में क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षण की छूट दी गई है। अब स्थानीय भाषाओं में भी शिक्षण कार्य किया जा सकता है। विज्ञान जैसे विषय को यदि छात्र अपनी मातृभाषा में पढ़ना चाहें तो इसकी छूट उन्हें प्रदान की गई है। इसके अलावा पाठ्यक्रमों में यह बदलाव भी नई शिक्षा नीति और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के पूरी तरह अनुरुप है। जिसकी मांग लंबे समय से शिक्षाविद करते रहे हैं और यह अनेक अवसरों पर विमर्श का मुद्दा भी रहा है।

लविवि के विधि संकाय ने प्राप्त किया देशभर में 25वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में बनाई जगह

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय ने इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2025 में देश के सरकारी विधि महाविद्यालयों में 25वां स्थान प्राप्त किया है। जबकि पिछले वर्ष की 32वीं रैंक विधि विभाग को मिला था। यह प्रतिष्ठित स्थान विभाग के शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध कार्यों और व्यावहारिक विधि शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि रैंकिंग में सुधार हमारी उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा, शोध-आधारित शिक्षण और नवीन शिक्षण विधियों के प्रति निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क उच्च शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करने वाली एक प्रतिष्ठित रैंकिंग प्रणाली है। यह रैंकिंग प्रणाली एजुकेशनल पोस्ट द्वारा शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के सहयोग से विकसित की जाती है। जिससे यह पारदर्शी और डेटा-आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित करता है। विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने इस सफलता का श्रेय संकाय के शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों के समर्पित प्रयासों को दिया है।

प्रबंधकीय तरीके से सोचने और कार्य करने के बारे में दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- आईएमएस के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आईएमएस) ने प्रबंधकीय तरीके से कैसे सोचें और कार्य करें विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। यह विशेष व्याख्यान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और प्रबंधन विज्ञान संस्थान की ओएसडी. प्रो. विनीता काचर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आईएमएस सेमिनार हॉल में मुख्य वक्ता के रूप में इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. आशीष वाजपेयी उपस्थित थे।

प्रो. आशीष वाजपेयी ने प्रबंधकीय तरीके से कार्य करने के तरीके के बारे में बताया। उन्होंने विचार, विचार प्रक्रिया, क्रिया, आदत पर जोर दिया। क्रिया से आदत बनती है, आदत से चरित्र बनता है, प्रबंधन उद्देश्यों से जुड़ा होता है, प्रबंधकों की गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्यों के कारण, योग्यता के बारे में बताया जो एक प्रबंधक के पास होना चाहिए जैसे कौशल, तकनीकी कौशल, संचार कौशल, दूरदर्शी विचार और कुछ करने से पहले दो बार सोचना। कार्यक्रम में डॉ. आरती ने सभी का धन्यवाद दिया और व्याख्यान का सारांश प्रस्तुत किया।

29 छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 6.50 लाख रुपए के पैकेज पर चयनित हुए छात्र

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट